

Muzaffarpur Institute of Technology, Muzaffarpur

Smart India Hackathon 2020 – Software Edition

Team “Rainbow 6” having 6 students and 2 mentors of the institute participated in the Grand Finale of SIH 2020- Software Edition, held online from 1st to 3rd August 2020. It was attended virtually from IT Lab of the institute. The problem statement title was “Predictive Maintenance of Battery Life of Electric Vehicles” and problem statement ID was “PK368”. The team won the Grand Finale SIH-20 Software Edition of their category for the said problem statement. Team won a cash prize of Rupees One Lakh.

Team Details are as given in the table below.

Student Details			
S. No.	Name	Branch	Year
1.	Anurag (Team Leader)	Electrical Engineering	2
2.	Ashish Kumar	Electrical Engineering	2
3.	Utpal Kant	Electrical Engineering	3
4.	Vidya Kumari	Electrical Engineering	3
5.	Aman Satyam	Electrical Engineering	1
6.	Rishabh Kumar	Information Technology	3
Mentor Details			
1.	Ashish Kumar	Information Technology	Assistant Professor
2.	Mohit Kumar	Electronics and Communication Engineering	Assistant Professor

Link to SIH 2020 Software Edition Finale Result- <https://www.sih.gov.in/SoftwarefinalResult2020>

Link to the valedictory session - <http://www.youtube.com/watch?v=wNvH9-M5Y0M>





छात्रों को मिलेगे 1 लाख रुपए • देशभर के 400 से अधिक इंजीनियरिंग संस्थानों की टीम प्रतियोगिता में हुई शामिल बैटरी मेंटेनेंस पर सॉफ्टवेयर बना एमआईटी ने लगातार दूसरे वर्ष जीती स्मार्ट इंडिया हैकथॉन ऑनलाइन प्रतियोगिता

एडुकेशन रिपोर्ट | मुजफ्फरपुर

एमआईटी के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। लगातार दूसरे वर्ष कॉलेज के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित स्मार्ट इंडिया हैकथॉन प्रतियोगिता (सॉफ्टवेयर एडिशन) जीत ली है। दिल्ली में आयोजित इस प्रतियोगिता में एमआईटी की चतवी-6 टीम ने जर्नाल मंगलस्य की ओर से दिए गए समस्या पर डिजिटल मेंटेनेंस ऑफ बैटरी लाइफ पर छात्रों ने इसका सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन देकर यह खिताब अपने नाम किया है। प्रतियोगिता का आयोजन आईआईटीई ने किया था। अब इस मॉडल को रिप्लिकेट करना होगा। मॉडल को डेवलप करने के लिए छात्रों को 1 लाख रुपए मिलेंगे। देश के 400 से अधिक इंजीनियरिंग संस्थानों की टीम ने इसमें हिस्सा लिया था। एमआईटी के प्राचार्य डॉ. जेएन झा ने इस उपलब्धि के लिए टीम और शिक्षकों को बधाई दी।



मॉडल के साथ एमआईटी की टीम।

इलेक्ट्रिकल वैकिल में इस्तेमाल होने वाली बैटरी की सॉफ्टवेयर से होश मेंटेनेंस - छात्रों ने बिजली से चलने वाले वाहनों में इस्तेमाल होने वाली बैटरी मेंटेनेंस से लेकर उसके संरक्षण के लिए भी सॉफ्टवेयर विकसित किया। मेंटर प्रो. आशीष ने बताया कि सॉफ्टवेयर की मदद से बैटरी को कम समय में चार्ज करने के साथ खपत और तय की जाने वाली दूरी भी दिखेगी।

टीम के सदस्य

अनुराग	इलेक्ट्रिकल	2018	बैच
उरुष कर्त	इलेक्ट्रिकल	2017	बैच
विश्व	इलेक्ट्रिकल	2017	बैच
आशीष कुमार	इलेक्ट्रिकल	2018	बैच
क्रमम कुमार	आईटी	2017	बैच
अमन सल्वम	इलेक्ट्रिकल	2019	बैच

मेंटर - आशीष कुमार (आईटी), मोहित कुमार (ईसी) एडिशनल सपोर्ट - प्रो. अकित कुमार सिंह (मेकेनिकल)

अब आईपीआर में पेटेंट फाइल कराएगा मुजफ्फरपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, एनबीए एफ्रीडिटेसन में मिलेगा फायदा प्रतियोगिता में एक बार रनर और दो बार विनर बना एमआईटी

एडुकेशन रिपोर्ट | मुजफ्फरपुर

चार वर्ष से राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित हो रही हैकथॉन प्रतियोगिता में एमआईटी एक बार रनर और लगातार दो बार विनर रहा। वर्ष 2017 से प्रतियोगिता की शुरुआत हुई, लेकिन उस वर्ष एमआईटी दलवेदी नहीं कर सका। वर्ष 2018 के सॉफ्टवेयर एडिशन में फाइनल स्टेज तक पहुंचे। इसके बाद वर्ष 2019 में वेगलूर में आयोजित हार्डवेयर एडिशन में पहला स्थान और 2020 में सॉफ्टवेयर एडिशन में

पहला स्थान प्राप्त किया। इस वर्ष प्रतियोगिता में विहार से एमआईटी पटना, बीआईटी पटना, एमआईटी मुजफ्फरपुर, बीसीई भागलपुर, बीसीई बंखारपुर और डीसीई दरभंगा ने हिस्सा लिया था। एमआईटी के प्राचार्य डॉ. जेएन झा ने बताया, संस्थान के लिए यह सुखद संकेत है।

उन्होंने बताया, एमआईटी का एनबीए से एफ्रीडिटेसन में प्रतियोगिता में भाग लेना है। राष्ट्रीय स्तर पर हासिल उपलब्धियों से कॉलेज को काफी फायदा होगा। उसे बेहतर अंक और ग्रेड मिलेंगे।

एक्सपेरिमेंट के दौरान जल गए थे सभी आइड्स

नेनेको 6 के टीम मेंबर ने बताया, 1 अमस्त को एक्सपेरिमेंट के दौरान सभी इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम जल गए। इससे टीम का मनोबल डगमगाने लगा, तब रात 11 बजे पटना से सभी सामान लेकर प्रो. अकित सिंह और प्रो. आशीष कुमार आए। स्टोर कीपर की मदद से दोबारा उपलब्ध कंटेनर में इलेक्ट्रिकल क्लैकल बनाया। इससे टीम में जोश का संचार हुआ।

आईपीआर में पेटेंट फाइल करेगा एमआईटी

सॉल्यूशन फॉर बैटरी लाइफ मॉनिटरिंग और प्रेडिक्टिव मेंटेनेंस एंड बैटरी लाइफ फॉर इलेक्ट्रिकल क्लैकल विषय पर दिए गए सॉल्यूशन में इस्तेमाल तकनीक का अब पेटेंट कराया जाएगा। इसे लेकर एमआईटी की ओर से आईपीआर में पेटेंट फाइल होगा। इसकी प्रक्रिया शुरू हो गई है।

राइडिंग में एफिसिएंसी से लेकर सेफ्टी की मिलेगी जानकारी

पूरे आइडिया के तीन भाग हैं। इसमें राइडिंग की एफिसिएंसी, सेफ्टी समेत अन्य जानकारी मिलेगी। उदाहरण के लिए अगर मुजफ्फरपुर से कोई पटना जा रहा है तो रास्ते में किस तरह गाड़ी चलाई गई, ट्रैफिक, रोड की स्थिति, बैटरी की खपत, गाड़ी चलाने का तरीका, स्पीड कब घटी, कब बढ़ी समेत इन जानकारी की मॉनिटरिंग की जा सकेगी। इलेक्ट्रॉनिक्स डिपार्टमेंट के प्रो. मोहित कुमार ने बताया, एप के जरूरत मोबाइल से इसे कंट्रोल किया जा सकता है। इससे दुर्घटनाओं में कमी आएगी।

